RAJASTHAN PATRIKA, Ahmedabad, 5.7.2023
Page No. 2, Size:(23.34)cms X (14.38)cms.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

बुलेट परियोजना : डायमंड और मैंगों थीम पर बनेंगे सूरत-बिलीमोरा स्टेशन

हीरे सा सूरत, आम सी मूरत, ऐसे होंगे टर्मिनल

बुलेट ट्रेन का सपना कितना दूर पार्ट-3

14 सितम्बर 2017 में रखी थी नींव

निर्माण कार्य

प्रदीप जोशी/ संजीव सिंह
patrika.com

सूरत. अहमदाबाद की तरफ से बुलेट ट्रेन का 5वां स्टेशन सूरत होगा। यहीं से बुलेट ट्रेन का पहला ट्रायल रन बिलीमोरा तक किया जाएगा। सूरत से बिलिमोरा तक का हाई स्पीड रेल कॉरिडोर 49 किलोमीटर का है। इस ट्रायल रन के लिए समय सीमा 2026 बताई गई है। इस बीच की दूरी में पिलर वर्क पूरा हो चुका है। ग्राउंड लेवल पर सुनहरे सपने को साकार होते देखने के लिए पत्रिका की टीम वहां पहुंची, जहां से पहला बुलेट ट्रायल शुरू होगा यानी सूरत टर्मिनल। बुलेट ट्रेन का सूरत स्टेशन शहर के मध्य से करीब 12 किलोमीटर दूर सहारा दरवाजा से कडोदरा के बीच आकार ले रहा है। यह कडोदरा चौंकड़ी से 2 किलोमीटर पहले और आंतरोली गांव से 1 किलोमीटर की दूरी पर है। ये स्टेशन एलिवेड स्ट्रक्चर में एनएच-48 से सटा हुआ है। हीरा नगरी सूरत का बुलेट टर्मिनल डायमंड थीम पर होगा तो धान के बाद आम के लिए प्रसिद्ध बिलीमोरा का स्टेशन मैंगो थीम पर होगा।

डायमंड जैसा दिखेगा स्टेशन

हीरे की थीम पर तैयार हो रहा सूरत टर्मिनल का निर्माण कार्य।

ट्रैफिक जाम से भी पाना होगा पार

एक घंटे से भी कम समय में सूरत से मुंबई पहुंचने का सपना देखने वालों के लिए बुलेट ट्रेन के स्टेशन तक पहुंचना भी चुनौती से कम नहीं होगा। सूरत शहर के सहारा दरवाजा से कडोदरा के बीच सड़क से उतरते ही बुलेट ट्रेन का स्टेशन होगा। सूरत बुलेट ट्रेन के टर्मिनल तक पहुंचने के करीब 12 किलोमीटर के सफर के बीच बस-कार, ट्रक और ट्रॉलों का भारी जाम हमेशा लगा रहता है। ऐसे में बड़ा सवाल है कि बुलेट ट्रेन से जल्दी पहुंचने का औचित्य क्या रहेगा? सरकार को इसका विकल्प ढूंढना ही होगा।

1000 से 1500 श्रमिकों की फौज

सूरत टर्मिनल के करीब साढ़े चार सौ मीटर लंबे और 50 फीट ऊंचे दो मंजिला स्टील, सीमेंट, सरिए के विशाल ढांचे के नीचे-ऊपर, चारों तरफ पीले हेलमेट में कुशल श्रमिकों व कर्मियों की फौज किसी युद्ध स्थल की तरह सर्वत्र फैली नजर आ रही थी। 1000 से 1500 कर्मी एल एंड टी कंपनी के कॉन्ट्रैक्ट के तहत अपने-अपने टास्क पर लगे हुए थे। 2 दिन से बारिश के रुकने के बाद हो रही भारी उमस के बीच पसीने से तरबतर भारी भरकम ऊंची मशीनों के बीच श्रम साधकों को देख भविष्य के बुलंद भारत की तस्वीर नजर आ रही थी।

एचएसआर स्टेशनों का अब तक कार्य

स्टेशन	रेल लेवल स्लैब	कॉनकोर्स लेवल स्लैब
सूरत	300 मीटर	450 मीटर (पूर्ण)
आणंद	250 मीटर	425 मीटर (पूर्ण)
बिलिमोरा	100 मीटर	जमीनी स्तर पर
अहमदाबाद	काम शुरू हो गया	137 मीटर

अन्य परिवहन साधनों की स्थिति

बीआरटीएस स्टॉप	330 मी.	सूरत सिटी बस स्टैंड	10 किमी
प्रस्तावित मेट्रो स्टेशन	280 मी.	चलथान रेलवे स्टेशन	05 किमी
सूरत रेलवे स्टेशन	11 किमी	एनएच-48	05 किमी

पत्रिका रीडर्स फेस्ट
1 जुलाई से 15 अगस्त 2023

ऐसा होगा सूरत का डायमंड टर्मिनल

- **सूरत स्टेशन** का एरियल व्यू हीरे जैसा और अगला हिस्सा ऐसा दिखेगा जैसे बहुत सारे हीरों को एक साथ जोड़ कर रख दिया हो।
- **बुलेट ट्रेन** स्टेशन का स्ट्रक्चर तीन लेयर्स में होगा। ग्राउंड और पहले फ्लोर पर एंट्रेस के साथ खुली जगह होगी और दूसरे फ्लोर पर प्लेटफार्म होगा।
- **परियोजना** में पूरा होने वाला सूरत पहला और सबसे बड़ा स्टेशन है। इसका निर्माण 48,234 वर्ग मीटर में हो रहा है।
- **स्टेशन** के अंदर पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी, यात्रियों को बाहरी दृश्य भी दिखाई देगा।
- **सेंट्रल** एयर कंडीशनिंग, बिजनेस क्लास लाउंज, नर्सरी, लिफ्ट, एस्केलेटर आदि सुविधाएं।
- **पहली मंजिल** पर कॉनकोर्स और दूसरी पर प्लेटफार्म है।
- **चार प्लेटफार्म होंगे।**

कॉनकोर्स लेवल

प्रतीक्षा क्षेत्र और व्यापार कक्ष, शौचालय, नर्सरी, दुकानें एवं कियोस्क, टिकट काउंटर और कस्टमर केयर

ग्राउंड लेवल

- पार्किंग की सुविधा
- पिक और ड्रॉप वे (कार, बस और ऑटो)
- पैदल यात्री प्लाजा
- सुरक्षा जांच
- लिफ्ट, एस्कलेटर और ट्रैवलेटर्स

RAJASTHAN PATRIKA, Surat, 5.7.2023
Page No. 3, Size:(23.34)cms X (14.38)cms.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

बुलेट परियोजना : डायमंड और मैंगों थीम पर बनेंगे सूरत-बिलीमोरा स्टेशन

हीरे सा सूरत, आम सी मूरत, ऐसे होंगे टर्मिनल

बुलेट ट्रेन का सपना कितना दूर पार्ट-3

14 सितम्बर 2017 में रखी थी नींव

प्रदीप जोशी/ संजीव सिंह
patrika.com

सूरत. अहमदाबाद की तरफ से बुलेट ट्रेन का 5वां स्टेशन सूरत होगा। यहीं से बुलेट ट्रेन का पहला ट्रायल रन बिलीमोरा तक किया जाएगा। सूरत से बिलिमोरा तक का हाई स्पीड रेल कॉरिडोर 49 किलोमीटर का है। इस ट्रायल रन के लिए समय सीमा 2026 बताई गई है। इस बीच की दूरी में पिलर वर्क पूरा हो चुका है। ग्राउंड लेवल पर सुनहरे सपने को साकार होते देखने के लिए पत्रिका की टीम वहां पहुंची, जहां से पहला बुलेट ट्रायल शुरू होगा यानी सूरत टर्मिनल। बुलेट ट्रेन का सूरत स्टेशन शहर के मध्य से करीब 12 किलोमीटर दूर सहारा दरवाजा से कडोदरा के बीच आकार ले रहा है। यह कडोदरा चौंकड़ी से 2 किलोमीटर पहले और आंतरोली गांव से 1 किलोमीटर की दूरी पर है। ये स्टेशन एलिवेड स्ट्रक्चर में एनएच-48 से सटा हुआ है। हीरा नगरी सूरत का बुलेट टर्मिनल डायमंड थीम पर होगा तो धान के बाद आम के लिए प्रसिद्ध बिलीमोरा का स्टेशन मैंगो थीम पर होगा।

निर्माण कार्य

डायमंड जैसा दिखेगा स्टेशन

हीरे की थीम पर तैयार हो रहा सूरत टर्मिनल का निर्माण कार्य।

ट्रैफिक जाम से भी पाना होगा पार

एक घंटे से भी कम समय में सूरत से मुंबई पहुंचने का सपना देखने वालों के लिए बुलेट ट्रेन के स्टेशन तक पहुंचना भी चुनौती से कम नहीं होगा। सूरत शहर के सहारा दरवाजा से कडोदरा के बीच सड़क से उतरते ही बुलेट ट्रेन का स्टेशन होगा। सूरत बुलेट ट्रेन के टर्मिनल तक पहुंचने के करीब 12 किलोमीटर के सफर के बीच बस-कार, ट्रक और ट्रॉलों का भारी जाम हमेशा लगा रहता है। ऐसे में बड़ा सवाल है कि बुलेट ट्रेन से जल्दी पहुंचने का औचित्य क्या रहेगा? सरकार को इसका विकल्प ढूंढना ही होगा।

1000 से 1500 श्रमिकों की फौज

सूरत टर्मिनल के करीब साढ़े चार सौ मीटर लंबे और 50 फीट ऊंचे दो मंजिला स्टील, सीमेंट, सरिए के विशाल ढांचे के नीचे-ऊपर, चारों तरफ पीले हेलमेट में कुशल श्रमिकों व कर्मियों की फौज किसी युद्ध स्थल की तरह सर्वत्र फैली नजर आ रही थी। 1000 से 1500 कर्मी एल एंड टी कंपनी के कॉन्ट्रैक्ट के तहत अपने-अपने टास्क पर लगे हुए थे। 2 दिन से बारिश के रुकने के बाद हो रही भारी उमस के बीच पसीने से तरबतर भारी भरकम ऊंची मशीनों के बीच श्रम साधकों को देख भविष्य के बुलंद भारत की तस्वीर नजर आ रही थी।

एचएसआर स्टेशनों का अब तक कार्य

स्टेशन	रेल लेवल स्लैब	कॉनकोर्स लेवल स्लैब
सूरत	300 मीटर	450 मीटर (पूर्ण)
आणंद	250 मीटर	425 मीटर (पूर्ण)
बिलिमोरा	100 मीटर	जमीनी स्तर पर
अहमदाबाद	काम शुरू हो गया	137 मीटर

अन्य परिवहन साधनों की स्थिति

बीआरटीएस स्टॉप	330 मी.	सूरत सिटी बस स्टैंड	10 किमी
प्रस्तावित मेट्रो स्टेशन	280 मी.	चलथान रेलवे स्टेशन	05 किमी
सूरत रेलवे स्टेशन	11 किमी	एनएच-48	05 किमी

पत्रिका रीडर्स फेस्ट
1 जुलाई से 15 अगस्त 2023

ऐसा होगा सूरत का डायमंड टर्मिनल

- **सूरत स्टेशन** का एरियल व्यू हीरे जैसा और अगला हिस्सा ऐसा दिखेगा जैसे बहुत सारे हीरों को एक साथ जोड़ कर रख दिया हो।
- **बुलेट ट्रेन** स्टेशन का स्ट्रक्चर तीन लेयर्स में होगा। ग्राउंड और पहले फ्लोर पर एंट्रेस के साथ खुली जगह होगी और दूसरे फ्लोर पर प्लेटफार्म होगा।
- **परियोजना** में पूरा होने वाला सूरत पहला और सबसे बड़ा स्टेशन है। इसका निर्माण 48,234 वर्ग मीटर में हो रहा है।
- **स्टेशन** के अंदर पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी, यात्रियों को बाहरी दृश्य भी दिखाई देगा।
- **सेंट्रल** एयर कंडीशनिंग, बिजनेस क्लास लाउंज, नर्सरी, लिफ्ट, एस्केलेटर आदि सुविधाएं।
- **पहली मंजिल** पर कॉनकोर्स और दूसरी पर प्लेटफार्म है।
- **चार प्लेटफार्म होंगे।**

कॉनकोर्स लेवल

प्रतीक्षा क्षेत्र और व्यापार कक्ष, शौचालय, नर्सरी, दुकानें एवं कियोस्क, टिकट काउंटर और कस्टमर केयर

ग्राउंड लेवल

- पार्किंग की सुविधा
- पिक और ड्रॉप वे (कार, बस और ऑटो)
- पैदल यात्री प्लाजा
- सुरक्षा जांच
- लिफ्ट, एस्कलेटर और ट्रैवलेटर्स